खण्ड–13, अंक–7
शनिवार, 12 चैत्र, शक संवत् 1927
(02 अप्रैल, 2005 ई0)

उत्तरांचल विधान सभा

609

की

कार्यवाही

—: 0 :—

(अधिकृत विवरण)
(प्रथम विधान सभा)
(द्वितीय सत्र, 2005)

(खण्ड 13 में 9 अंक हैं)

उत्तरांचल विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :

उप निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की, उत्तरांचल (भारत)

2005

मूल्य :

विषय–सूची

609

विषय			पृष्ठ संख्या
उपस्थिति	...	...	"क"
उत्तरांचल राज्य में परिसीमन विषयक संकल्प की कार्यसूची की मद पर आपत्ति	...	...	1
उत्तरांचल राज्य में परिसीमन विषयक संकल्प की कार्यसूची की मद पर आपत्ति	...	...	2

"क"

उपस्थिति

1—श्री अजय भट्ट
2—श्रीमती अमृता रावत
3—श्री अरविन्द पाण्डे
4—श्रीमती आशा देवी
5—श्रीमती इन्दिरा हृदयेश
6—श्री उम्मेद सिंह मांजिला
7—श्री काशी सिंह ऐरी
8—श्री किशोर उपाध्याय
9—श्री कैलाश शर्मा
10—श्री कौल दास
11—श्री गगन सिंह
12—श्री गोपाल सिंह राणा
13—श्री गोविन्द सिंह कुंजवाल
14—श्री जोत सिंह
15—श्री तसलीम अहमद
16—श्री तिलक राज बेहड़
17—श्री दिनेश अग्रवाल
18—श्री नव प्रभात
19—श्री नारायण पाल
20—श्री नारायण राम आर्य
21—श्री नारायण सिंह जंतवाल
22—काजी निजामुद्दीन
23—श्री प्रकाश पंत
24—कुंवर प्रणव सिंह "चैम्पियन"
25—श्री प्रदीप टम्टा
26—श्री प्रीतम सिंह
27—श्री प्रीतम सिंह पंवार
28—श्री प्रेमानन्द महाजन
29—श्री फूल सिंह बिष्ट
30—श्री बलबीर सिंह नेगी
31—श्री बिशन सिंह चुफाल
32—श्री मदन कौशिक
33—श्री मंत्री प्रसाद नैथानी
34—श्री महेन्द्र भट्ट
35—श्री महेन्द्र सिंह माहरा (मह्रू भाई)
36—श्री मातबर सिंह कण्डारी
37—श्री माल चन्द्र
38—चौ० यशवीर सिंह
39—श्री रणजीत सिंह
40—श्री रस्सैल वैलेन्टाइन गार्डनर
41—श्रीमती विजय बड़थ्वाल
42—श्री शूरवीर सिंह
43—डॉ० शैलेन्द्र मोहन सिंघल
44—श्री सहजाद
45—श्री सुन्दर लाल मन्द्रवाल
46—श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी
47—श्री हरबंस कपूर
48—श्री हरभजन सिंह चीमा
49—श्री हरिदास
50—श्री हरीश चन्द्र दुर्गापाल
51—श्री हीरा सिंह बिष्ट
52—श्री हेमेश खर्कवाल
53—श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत

शनिवार, दिनांक 02 अप्रैल, 2005 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप देहरादून में दिन के 11.00 बजे पूर्वाह्न में अध्यक्ष श्री यशपाल आर्य की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उत्तरांचल राज्य में परिसीमन विषयक संकल्प की कार्यसूची की मद पर आपत्ति

श्री अरविन्द पाण्डे–

मान्यवर, आज की कार्य सूची में जो मद संख्या–12 है, वह जन विरोधी है, इससे भेदभाव हो रहा है, इसे आज की कार्यसूची से बाहर निकाल दिया जाना चाहिए। उत्तरांचल राज्य में परिसीमन लागू होना चाहिए।

(कई माननीय सदस्यों के अपने स्थान पर खड़े होकर एक साथ बोलने पर घोर व्यवधान।)

(भारतीय जनता पार्टी के श्री अरविंद पाण्डे, श्री मदन कौशिक एवं श्री हरभजन सिंह चीमा तथा बहुजन समाज पार्टी के सभी माननीय सदस्य "वेल" में आ गये और जोर–जोर से अपनी बात को कहने लगे।)

(घोर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष–

कृपया आप लोग अपना आसन ग्रहण करें।

(सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के कई माननीय सदस्यों के अपने स्थान पर खड़े होकर एक साथ बोलने पर घोर व्यवधान)

("वेल" में खड़े माननीय सदस्य पूर्ववत् अपनी बात कहते रहे एवं नारे लगाने लगे–परिसीमन को लागू करो–लागू करो, भेद–भाव खत्म करो, दादागिरी नहीं चलेगी।)

(घोर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष–

कृपया आप अपना–अपना आसन ग्रहण करें।

("वेल" में खड़े माननीय सदस्य पूर्ववत् नारे लगाते रहे।)

(उत्तराखण्ड क्रान्ति दल के सभी माननीय सदस्य भारतीय जनता पार्टी की बेंच के पीछे आ गये और अपनी बात को कहने लगे तथा नारे लगाने लगे–परिसीमन को रद्द करो–रद्द करो।)

(घोर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष–

मैं माननीय नेता प्रतिपक्ष से अनुरोध करता हूं कि वे कृपया माननीय सदस्यों को शांत करायें।

(बहुजन समाज पार्टी के सभी माननीय सदस्य तथा भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्य श्री हरभजन सिंह चीमा, श्री मदन कौशिक व श्री अरविन्द पाण्डे "वेल" में पर खड़े होकर नारे लगाते रहे–"क्षेत्रवाद की बात बन्द करो", "उत्तरांचल को आपस में मत बांटो", "मैदानी क्षेत्र की जनता के साथ भेद–भाव बन्द करो", "मैदान विरोधी ये सरकार नहीं चलेगी", "भेदभाव की राजनीति बन्द करो–बन्द करो"।)

(उत्तराखण्ड क्रान्ति दल के सभी माननीय सदस्य भारतीय जनता पार्टी की बेंच के पीछे खड़े होकर तथा सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई माननीय सदस्य अपने–अपने स्थान पर खड़े होकर अपनी बात कहते रहे।)

श्री अध्यक्ष–

कृपया शान्त रहें।

("वेल" में खड़े सभी माननीय सदस्य पूर्ववत् नारे लगाते रहे :–

मैदान विरोधी यह सरकार नहीं चलेगी–नहीं चलेगी। उत्तरांचल को दो हिस्सों में बांटने वाली यह सरकार नहीं चलेगी–नहीं चलेगी। परिसीमन को लागू करो–लागू करो। भाई–भाई को लड़ाने का काम मत करो–मत करो।)

(घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष–

मैं सदन की कार्यवाही को 1.00 बजे तक के लिए स्थगित करता हूं।

(सदन की कार्यवाही श्री अध्यक्ष की अध्यक्षता में अपराह्न 01.00 बजे पुनः आरम्भ हुई।)

उत्तरांचल राज्य में परिसीमन विषयक संकल्प की कार्यसूची की मद पर आपत्ति

(बहुजन समाज पार्टी के सभी माननीय सदस्य "वेल" में आ गये और जोर–जोर से नारे लगाने लगे–"नहीं चलेगा, नहीं चलेगा, ऐसा नहीं चलेगा"।)

(घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष–

कृपया शान्त रहें, अपना–अपना आसन ग्रहण करें और सदन को व्यवस्थित ढंग से चलने दें।

("वेल" में आये सभी माननीय सदस्य पूर्ववत् नारे लगाते रहे।)

(सत्तापक्ष एवं विपक्ष के अधिकांश माननीय सदस्यों के अपने–अपने स्थान पर खड़े होकर एक साथ बोलने पर घोर व्यवधान।)

(घोर व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष–

अब हम उठते हैं, दिनांक 11 अप्रैल, 2005 की पूर्वाह्न 11.00 (ग्यारह) बजे तक के लिए।

(इसके बाद सदन 01 बजकर 02 मिनट पर सोमवार दिनांक 11 अप्रैल, 2005 पूर्वाह्न 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।)

देहरादून
दिनांक : 02 अप्रैल, 2005

महेश चन्द्र,
सचिव, विधान सभा,
उत्तरांचल।

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 12 वि0स0/422–07–11–2005–200 पुस्तकें (कम्प्यूटर/रीजियो)।